Regarding environmental pollution due to construction activities

श्री उज्ज्वल रमण सिंह **(इलाहाबाद) :** माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से उत्पन्न स्थिति के बारे में बताना चाहता हूं ।

महोदय, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हालिया हलफनामे सरकार ने हिमालय में गंगा की उद्गम धाराओं में पांच नए बांध परियोजनाओं की सिफारिश की है, जबकि पूर्व कैबिनेट सचिव की रिपोर्ट है और एक नीतिगत निर्णय को पलटा गया है जिसमें पहले साफ तौर पर कहा गया था कि गंगा बेसिन में कोई नई जल विद्युत परियोजना नहीं होगी । आज जब जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से हिमालय क्षेत्र में साल दर साल आपदाएं बढ़ रही हैं, ऐसे में हिमालय पर्यावरण और हमारी राष्ट्रीय नदी में सरकार द्वारा यह खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है?

मैं आपके माध्यम से पर्यावरण मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि सड़क चौड़ीकरण परियोजना, चार धाम रेलवे, जल विद्युत परियोजना, बेलगाम पर्यटन और निर्माण आदि से हिमालय गंगा क्षेत्र पर अत्यंत दबाव से पर्यावरण में अपूर्णीय क्षति उत्पन्न हो रही है । प्रदूषण के स्तर और ब्लैक कार्बन के उत्सर्जन से ग्लेशियर पर दुष्प्रभाव के कारण आपदाओं में पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि दिखाई दे रही है ।